बरेली, शनिवार
1 अगस्त, 2026
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 7.00
पृष्ठ 16-4=20

दैनिक जागरण

PAGE NO : III MIDDLE

एसआरएमएस गुडलाइफ में हुआ पहला रोबोटिक घुटना प्रत्यारोपण

बुजुर्ग महिला का रोबोटिक नी ट्रांसप्लांट करने वाले डा ध्रुव और टीम ● सौ अस्पताल

जागरण संवाददाता, बरेली : बरेली में रोबोट की मदद से पहला घुटना प्रत्यारोपण (नी ट्रांसप्लांट) किया गया। यह रुहेलखंड के साथ कुमायूं क्षेत्र का भी पहला रोबोटिक नी ट्रांसप्लांट है। एसआरएमएस गुडलाइफ हास्पिटल में शुक्रवार को आर्थोपेडिक सर्जन डा. ध्रुव गोयल ने सफल नी ट्रांसप्लांट किया।

6600 से ज्यादा सफल घुटना प्रत्यारोपण का अनुभव रखने वाले डा. ध्रुव गोयल ने बरेली निवासी 70 वर्षीय की महिला के दोनों घुटनों का फुली आटोमेटेड ट्रांसप्लांट किया। डा. ध्रुव ने बताया कि सफल ट्रांसप्लांट से महिला को वर्षों के दर्द से आजादी मिली। अब तक घुटनों का प्रत्यारोपण पारंपरिक विधि से किया जाता था, जिसमें काफी समय लगने के साथ ही रिकवरी में भी काफी दिन लगते थे। अत्याधुनिक तकनीकी से रोबोट के माध्यम से थ्री डायमेंशन से सर्जरी करना संभव है। मरीज को दिक्कत बेहद कम होती है और घुटनों की लाइफ बढ़ने के साथ ही मरीज के पैर भी सीधे रहते हैं। अत्याधुनिक रोबोटिक सर्जरी से सटीक आपरेशन होता है, कम रक्तस्राव, तेज रिकवरी, जल्द सामान्य जीवन,कम दवाई का सेवन जैसे लाभ मरीज मिलते हैं। अत्याधुनिक रोबोटिक सर्जरी अभी तक बरेली और कुमायूं में उपलब्ध नहीं थी। एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देव मूर्ति ने बड़ी सफलता बताते हुए कहा कि ट्रस्ट हमेशा से मरीजों के उपचार के लिए अत्याधुनिक तकनीकी और उपकरणों पर जोर देता आया है। फुली आटोमेटेड रोबोटिक नी ट्रांसप्लांट सेंटर होने से हम मरीजों के घुटनों का बेहतर उपचार कर उन्हें यथाशीघ्र स्वस्थ कर पाएंगे।